पंजाब केसरी 10/02/2026

नशे के खिलाफ जनजागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : डॉ. रोहित दत्त

एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

अम्बाला, 9 फरवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा गांव खुड्डा कलां में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत सोमवार को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशा मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली में भाग लेते जी.एम.एन. कॉलेज की एन.एस.एस. इकाई के सदस्य। (चंदमोहन)

अपने संदेश में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि नशा व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य, परिवार और उसके भविष्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती है। इसलिए नशे के खिलाफ जनजागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।

युवाओं को सही दिशा, सकारात्मक वातावरण और जागरूकता मिले तो वे किसी भी बुराई के खिलाफ मजबूत शक्ति बन सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक जिस प्रतिबद्धता के साथ गांवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। ऐसे प्रयास न केवल समाज में परिवर्तन लाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हमें विश्वास है कि सामूहिक सहयोग से नशा मुक्त, स्वस्थ और जागरूक भारत का सपना अवश्य साकार होगा।

इससे पूर्व, कार्यक्रम का शुभारंभ एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा प्रार्थना एवं एन.एस.एस. गीत से किया गया, जिससे वातावरण में उत्साह का संचार हुआ। नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पोस्टर निर्माण और नारा लेखन गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त भारत विषय पर प्रभावशाली और प्रेरणादायक संदेश प्रस्तुत किए। इसके उपरांत सभी स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों ने नशा न करने की शपथ ली।

वहीं एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. पिंकी गुप्ता एवं डॉ. चंद्रपाल पुनिया ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना का विकास करते हैं। नशा मुक्ति केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। एन.एस.एस. स्वयंसेवक जनजागरूकता फैलाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और नशा मुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।